

तारीख हुक्म

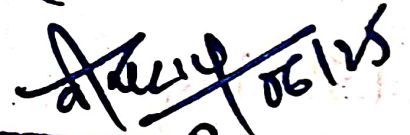
20.06.25

पत्रावली पेश हुई। न्यायालय समय में अधिवक्ता  
वादिनी एवं वादिनी के नाम से अलग-अलग  
समय पर तीन बार आवाज दिलाई गई।  
कोई उपस्थित नहीं।

इससे स्पष्ट होता है कि अधिवक्ता वादिनी  
एवं स्वयं वादिनी अपने वाद को लेकर  
गंभीर नहीं हैं।

लिहाजा वादिनी का वाद 'अदम पैरवी' व  
'अदम हाजिरी' में इसी स्तर पर रखा जा  
फिया जाता है।

पत्रावली फ़ैसल शुमार होकर दारखिल दफ्तर  
हो व नंबर से कम हो।



अधिवक्ता कक्षीयर

(कॉस्ट ट्रेकर) बाइमेर